AMAR UJALA MY CITY Page 3

# सभी राज्य विश्वविद्यालयों में लागू होगा न्यूनतम समान पाठ्यक्रम

## विशेष सचिव ने लविवि समेत समेत सभी राज्य विवि को भेजा पत्र

माई सिटी रिपोर्टर

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ ही सभी राज्य विश्वविद्यालयों में अब न्यूनतम समान पाठ्यक्रम लागू होगा। इसके लिए शासन ने निर्देश जारी कर दिया है। उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव की ओर से इस संबंध में लविवि समेत समेत सभी राज्य विवि के कुलसचिवों को पत्र जारी किया गया है। पत्र में कुलसचिवों को निर्देश दिया गया है कि वे न्यूनतम समान पाठ्यक्रम लागू करने की प्रक्रिया शुरू करें। वर्ष 2017 में राज्यपाल ने न्यूनतम समान पाठ्यक्रम के लिए समिति का गठन किया था। समिति ने विश्वविद्यालयों में न्यूनतम समान पाठ्यक्रम लागू करने की सिफारिश की थी।

समिति की सिफारिशों के बाद सिलेबस तैयार करवाकर यह आदेश जारी किया गया है। एक विश्वविद्यालय से दूसरे विश्वविद्यालय में जाने पर विद्यार्थियों को समस्या न हो तथा सभी के पाठ्यक्रमों में एक सीमा तक एकरूपता होने की मंशा के तहत यह व्यवस्था लागू की जा रही है। पिछले तीन साल से इसकी प्रक्रिया चल रही थी। शासन ने विभिन्न विवि को न्यूनतम समान पाठ्यक्रम तैयार करने का निर्देश पहले ही दे दिया था। इसका पाठ्यक्रम बनकर तैयार हो गया है। अब शासन ने कुलसचिवों को पत्र भेजकर इसे लागू करने के लिए कहा है।

न्यूनतम समान पाठ्यक्रम में सभी राज्य विश्वविद्यालयों में 70 प्रतिशत पाठ्यक्रम एक समान होगा। बचा हुआ 30 फीसदी भाग स्थानीय जरूरत के हिसाब से तय किया जाएगा। परीक्षा में 80 फीसदी नंबर लिखित परीक्षा तथा 20 फीसदी आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर देने को कहा गया है। इसके साथ ही अंतिम वर्ष में कौशल विकास का एक प्रश्नपत्र रखने का निर्देश भी जारी किया गया है।

### विवि और उनके द्वारा तैयार विषयों के पाठ्यक्रम

- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय- हिंदी, संस्कृत, उर्दू, भूगोल, दर्शनशास्त्र, इतिहास, विधि, मनोविज्ञान, डिफेंस स्टडीज
- डॉ. भीमराव अंबेडकर विवि आगरा- गृहविज्ञान, कृषि, सांख्यिकी, ललितकला
- चौधरी चरण सिंह विवि मेरठ- राजनीतिशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास
- लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, गणित, मानवशास्त्र, कंप्यूटर साइंस, भूगर्भ विज्ञान
- महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विवि बरेली- अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र
- छत्रपति शाहूजी महाराज विवि कानपुर- अंग्रेजी
- बुंदेलखंड विवि झांसी- बीएससी भूगर्भ विज्ञान
- महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ- समाजशास्त्र, समाजकार्य, वाणिज्य, शारीरिक शिक्षा

## लविवि ने शुरू की वर्चुअल ई-पत्रिका

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय लॉकडाउन में ऑनलाइन पढ़ाई के साथ ही सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसी के तहत कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बुधवार को विडियो कॉन्फ्रेंस से विवि की वर्चुअल सांस्कृतिक पत्रिका 'होप इन द टाइम्स ऑफ कोविड-19' का विमोचन किया। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह ई-पत्रिका विश्वविद्यालय की पहली ऐसी ई-पत्रिका है, जिसमें विवि के विद्यार्थियों ने घर में रहकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। ई-पत्रिका में कविता पाठ से लेकर नृत्य, बासुरी वादन, गायन और चित्रकारी भी है। कुलपति ने ने बताया कि ई-पत्रिका का यह अंक 30 अप्रैल को आयुष्मान भारत दिवस के उपलक्ष्य में विश्व के शीघ्र आरोग्य होने की प्रार्थना के प्रतीक रूप में विमोचित किया गया। इसका कांसेप्ट और विजुअलाइजेशन प्रो. राकेश चंद्र का व संपादन भाषा माद्री काकोटी ने किया है।

HINDUSTAN Page 6

# लविवि की पहली ई-पत्रिका जारी

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लविवि की पहली ई-पत्रिका बुधवार को जारी की गई। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विश्वविद्यालय की वर्चुअल सांस्कृतिक पत्रिका 'होप इन द टाइम्स ऑफ कोविद-19' लांच किया। विवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह विवि की पहली ई-पत्रिका है। इसमें विद्यार्थियों ने घर में रहकर गोगदान किया है। ई-पत्रिका में कविता पाठ से लेकर नृत्य, बांसुरी वादन, गायन और चित्रकारी भी है। प्रवक्ता ने बताया कि आयुष्मान भारत दिवस के उपलक्ष्य में विश्व के शीघ्र विमोचन किया गया।

i-Next Page 2

# सभी यूनिवर्सिटीज में अब एक ही सिलेबस से पढ़ाई

**उच्च शिक्षा विभाग ने सभी स्टेट यूनिवर्सिटी के कुलसचिवों को भेजा निर्देश**

lucknow@inext.co.in

**LUCKNOW(29 April):** प्रदेश की सभी यूनिवर्सिटी में अब कॉमन सिलेबस पढ़ाया जाएगा. इसका फायदा उन स्टूडेंट्स को होगा जो बीच सेशन में दूसरी यूनिवर्सिटी में एडमिशन ले लेते हैं. इसके लिए सरकार ने यूनिवर्सिटी के कुलसचिव को प्रस्ताव भेज दिया है. अपर सचिव और कमेटी के संयोजक सचिव डॉ. आरके चतुर्वेदी ने ऑर्डर जारी कर इसे लागू करने का आदेश दिया है.

**70 फीसद सिलेबस होगा कॉमन**

इस संबंध में प्रदेश सरकार ने सिद्धार्थ यूनिवर्सिटी कपिलवस्तु के वीसी प्रो. सुरेंद्र दुबे की अध्यक्षता में छह सदस्यीय समिति का गठन किया था. समिति ने अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी है, सिसके बाद शासन ने कमेटी के प्रस्तावों को यूनिवर्सिटी में लागू करने का आदेश दिया है. कमेटी ने सिफारिश की कि सभी यूनिवर्सिटी का सिलेबस 70 प्रतिशत कॉमन किया जाए, इसके अलावा कमेटी ने

**इसका फायदा उन को होगा जो बीच सेशन में दूसरी यूनिवर्सिटी में एडमिशन ले लेते हैं.**

### पहले भी तैयार हो चुका है कॉमन सिलेबस

इसे पहले वर्ष 2011 में ऐसे ही कमेटी का गठन किया गया था, जिसमें 57 सब्जेक्ट का कामन सिलेबस तैयार करने की मंजूरी दी गई थी. उस समय एलयू प्रशासन ने इसे लागू करने से इंकार कर दिया था. उनका कहना था कि उनके यहां जो सिलेबस पढ़ाया जा रहा है वह कॉमन सिलेबस की तुलना में काफी एडवांस है. ऐसे में एक बार फिर इसे लागू करने में समस्या हो सकती है.

यूनिवर्सिटी को 30 प्रतिशत सिलेबस स्थानीय जरूरतों के हिसाब से कोर्स में शामिल करने को कहा है. साथ ही कोर्स में 80 प्रतिशत मूल्यांकन बाहर के परीक्षकों और 20 प्रतिशत मूल्यांकन अपने यहां के परीक्षकों से कराने की सिफारिश की है.

**यूजी के लास्ट ईयर में कौशल विकास कोर्स**

कमेटी ने यूजी के लास्ट ईयर में स्टूडेंट्स को कौशल विकास का सिलेबस पढ़ाने की सिफारिश की है. सब्जेक्ट में सिलेबस संबंधित निर्णय यूनिवर्सिटी अपने स्तर पर ले सकेगी. वहीं कोर्स में स्टूडेंट्स को कौशल विकास का सिलेबस चुनने के लिए तीन विकल्प दिए जाएंगे. इसके साथ स्टूडेंट्स को तीन महीने की इंडस्ट्री ट्रेनिंग दी जाएगी. इससे यूनिवर्सिटी कोर्स में ऐसे सिलेबस को शामिल नहीं कर सकेगी, जिसमें इंडस्ट्री ट्रेनिंग का विकल्प न हो.

PIONEER Page 4

# छात्रों को बताए संयुक्त प्लांट की दक्षता को अधिकतम करने के स्मार्ट तरीके

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से थर्मल पावर प्लांट की दक्षता को बढ़ाने के आधुनिक तरीके विषय पर वेबीनार का आयोजन चौटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए किया गया। वेबीनार में एनटीपीसी झज्जर के कंट्रोल एवं इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के मैनेजर ई प्रेम प्रकाश राय ने थर्मल पावर प्लांट की दक्षता बढ़ाने की आधुनिक विधियों पर व्याख्यान दिया। बिजली की ऑक्सीलरी खपत को ऑप्टिमाइज तथा संयुक्त प्लांट की दक्षता को अधिकतम करने के लिए कई स्मार्ट तरीके बताएं।

ऑक्सीलरी खपत कुल उत्पादित ऊर्जा का वह भाग है जो प्लांट के सहायक उपकरणों को चलाने में प्रयोग होती है। इन सहायक उपकरणों में बॉयलर तक पानी पहुंचाने वाले बायलर फीड पंप में सबसे अधिक ऊर्जा की खपत होती है। अतः ऊर्जा बचाने के लिए आधुनिक प्लांट में मोटर चालित बॉयलर फीड पंप के स्थान पर टरबाइन चलित बायलर फीड पंप का प्रयोग हो रहा है। इस टरबाइन में उपयोग हुई स्टीम को सीधे बॉयलर में जा रहे पानी को स्थानांतरित कर दिया जाता है जिससे पानी बॉयलर में पहुंचने से पहले ही गर्म हो जाता है। इस प्रकार ऊर्जा की खपत कम करके प्लांट की दक्षता बढ़ाई जाती है। इसी क्रम में बायलर से निकलने वाली फ्लू गैसों का प्रयोग एयर प्रिहीटर की सहायता से वायुमंडलीय हवा को गर्म करने के लिए किया जाता है। इस गर्म हवा से कोयले को नमी को दूर करते हैं जिससे कोयले का दहन अधिकतम हो सके। एयर प्रिहीटर की धुलाई प्लांट शटडाउन के समय होती है।

### एलयू वीसी ने लांच की होप इन द टाइम्स ऑफ कोविड-19 सांस्कृतिक पत्रिका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए विश्वविद्यालय के वर्चुअल सांस्कृतिक पत्रिका होप इन द टाइम्स ऑफ कोविड19 की लांच किया। ई पत्रिका विश्वविद्यालय की ऐसी ई पत्रिका है जिसमें विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स ने घर पर रहकर अपनी विभिन्न प्रतिभाओं से योगदान दिया है। इसमें कविता पाठ से लेकर नृत्य, बासुरी वादन, गायन और चित्रकारी भी है।

इसके उपरांत ई प्रेम प्रकाश ने थर्मल पावर प्लांट से होने वाले वायुमंडल प्रदूषण की रोकथाम एवं उपचार पर चर्चा की तथा इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर की कार्यप्रणाली को विस्तृत रूप से समझाया। उन्होंने बताया कि कि चिमनियों से निकलने वाले धुएं में नाइट्रोजन एवं सल्फर के ऑक्साइड होते हैं जो श्वसन तथा फसलों के लिए हानिकारक होते हैं। इनके उत्सर्जन को कम करने के लिए दहन संशोधन तकनीकी एवं फ्लू गैस डिसल्फ्राइजेशन तकनीकी का प्रयोग किया जा रहा है। अंत में ऊर्जा संरक्षण पर जोर देते हुए छात्रों द्वारा पूछे गए सवालों के उत्तर भी दिए। इस वेबीनार का आयोजन मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के इंचार्ज डॉ राजेंद्र बहादुर एवं असिस्टेंट प्रोफेसर संदीप कुमार गुप्ता द्वारा किया गया।

THE PIONEER Page 3

# LU holds e-symposium with Brazilian university

**Lucknow (PNS):** Lucknow University, in association with Federal University (Ceara), on Wednesday organised an Indo-Brazilian e-symposium on solid state properties of pharmaceuticals. Head of Physics department Poonam Tandon said both the universities have a long-term collaboration in this field.

Several researchers participated in the e-symposium along with LU Vice-Chancellor Alok Kumar Rai, and Brazilian coordinator of the workshop Alejandro Pedro Ayala from the University of Ceara.

Head of international cooperation, Department of Science and Technology, SK Varshney said the primary function of the research-based pharmaceutical corporations was to create value by discovering and producing effective medicines, vaccines and services that improve patients' well-being.

"Both India and Brazil are the emerging economies and should work on co-development of new pharmaceutical molecules in order to not only cut down on the cost but also to save time. It is an appropriate time for this Indo-Brazilian e-symposium. Solid state properties of pharmaceuticals such as polymorphism, formation of hydrates and solvates, degree of crystallinity, and mechanical properties have profound effects on the quality of drug substances and drug products," he said.

He said that the study of such properties are important during quality control testing of drugs with respect to solubility, dissolution, bioavailability, and stability.